माहेश्वरी समाज भवन, भीलवाड़ा के लोकार्पण कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

हमारे यहाँ कहा गया है कि "धर्मस्य मूलम् अर्थः" अर्थात धर्म का मूल अर्थ है।

इस भाव के साथ अर्थ के अर्जन और सृजन का कार्य माहेश्वरी समाज ने किया है, तथा धर्म को सशक्त बनाया है।

कृषि, पशु-पालन, व्यापार और वाणिज्य कर वैश्य समाज ने देश, समाज और सम्पूर्ण विश्व की अर्थव्यवस्था को समृद्ध किया है। माहेश्वरी समाज के लोगों पर यह बहुत बड़ा दायित्व रहा है कि हम धर्म का पालन तो करें ही लेकिन साथ ही नि:स्वार्थ भाव से धर्म को और समृद्ध करने के लिए अपने धन को उस ओर लगाएं।

माहेश्वरी समाज सत्य, प्रेम और न्याय के पथ पर चलता है। शरीर को स्वस्थ-निरोगी रखना, कर्म करना (मेहनत और ईमानदारी से काम करना), बाँटकर खाना और प्रभु की भक्ति करना इसके आधार हैं।

माहेश्वरी समाज अपने धर्म और आचरण का पूरी निष्ठा के साथ पालन करते हैं, यह माहेश्वरी समाज की विशेष बात है।

आज दुनियाभर के कई देशों में और तकरीबन भारत के हर राज्य, हर शहर में माहेश्वरी बसे हुए हैं। दुनिया के किसी भी कोने में बसे माहेश्वरी समाज के लोग अपने अच्छे व्यवहार और संस्कार के लिए पहचाने जाते हैं।

माहेश्वरी समाज तो वह समाज है जो जीव मात्र की सेवा को अपना धर्म मानता आया है। कोरोना के समय जब मानवता पर संकट आया तब, समाज के लोगों ने जितना बन सकता था, देश, समाज और मानवता के लिए अपना समर्पण दिया।

उसी तरह जब साल – डेढ़ साल भर पहले गौवंश में लम्पी बीमारी फैली थी, तब समाज के लोगों ने गौ सेवा के लिए खुलकर सहयोग किया था।

जीव मात्र के प्रति दया और सेवा का यह संदेश भगवान महावीर स्वामी जी ने भी दिया था। और महाराजा श्री अग्रसेन जी का भी यही संदेश है।

शांति प्रिय और सुंदर संसार के निर्माण के लिए हमारा माहेश्वरी समाज हमेशा से ही समर्पित रहा है।

दुनिया की किसी और संस्कृति में परमार्थ और जीव मात्र की सेवा अनिवार्य नहीं हैं, लेकिन हमारे यहाँ ये काम अनिवार्य माने जाते हैं। हमने जीवन शैली में इन गुणों को अपनाया है। ये भारत की परंपरा है जहाँ दरिद्र नर की सेवा को नारायण की सेवा माना गया है। हम जब किसी का पेट भरते हैं तब उसे सेवा के भाव से भी देखते हैं और अपनी ज़िम्मेदारी भी समझते हैं।

माहेश्वरी समाज ने तो सदा ही समाज में भलाई का कर्तव्य निभाया है। समाज के वरिष्ठ जनों ने जैसा आदर्श जीवन जिया है, आज खुशी की बात है कि समाज के युवा भी उसी राह पर आगे बढ़ रहे हैं। आज हमारे नौजवान समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

मुझे खुशी है कि इस जनहितकारी सदन के लोकार्पण के अवसर पर आज एक बार फिर समाज बंधु साथ में जुटे हैं। समाज के ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और भाईचारा बना रहता है। समय-समय पर ऐसे आयोजनों के बहाने ही सब लोग साथ मिलते हैं। आपस में एक-दूसरे की कुशल मंगल पूछ लेते हैं। इस तरह ऐसे आयोजन समाज के बीच में प्रेम और सौहार्द को और अधिक बढ़ाते हैं।

समाज एक परिवार की तरह ही होता है। लेकिन ये समाज रूपी परिवार इतना बड़ा है कि हर दिन तो सब का साथ में बैठना संभव नहीं है। लेकिन साल भर में हम कुछ दिन ऐसे ज़रूर निकाल सकते हैं, जब सब एक दूसरे से मिले, आपस में बातचीत हो। इससे समाज का जो महत्व है, वह बढ़ता है। आपसी अपनत्व बढ़ता है, जानकारी बढ़ती है, तब घर रूपी समाज की भावना साकार होती है।

भारत की आज़ादी में और आज़ादी के बाद देश के विकास में माहेश्वरी समाज का बड़ा योगदान रहा है। माहेश्वरी समाज के कई दानवीरों ने, उद्योगपतियों और व्यापारियों ने भारत के नवनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राजनीति, शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज सेवा जैसे सभी क्षेत्रों में माहेश्वरी समाज आगे रहा है।

माहेश्वरी समाज जो पहले व्यापार-उद्योग के लिए जाना जाता था, आज शिक्षा के क्षेत्र में भी समाज के युवाओं ने अपनी पहचान बनाई है। आज देश और विदेशों के उच्च शिक्षण संस्थानों में माहेश्वरी समाज के अनेक युवा पढ़ाई कर रहे हैं। सीए, सीएस के साथ, प्रशासन और स्टार्ट अप्स जैसे सभी क्षेत्रों में हमारे युवा आगे आए हैं।

समाज का युवा संगठन हो या महिला संगठन हो, सभी मोर्चों पर समाज ने उल्लेखनीय काम किया है। महाराजा अग्रसेन और दानवीर भामाशाह की परंपरा का पालन करते हुए हमने नि:स्वार्थ सेवा और सरोकार के मानक स्थापित किए हैं।

कोई भी राष्ट्र हो या कोई भी समाज हो..... वही देश और समाज आगे बढ़ता है जिनमें आपस में सहयोग की भावना हो और जो आगे बढ़ने की सोच रखते हो। माहेश्वरी समाज के लोगों की सोच ऐसी रही है कि पर्याप्त परिश्रम कर अपनी उन्नति तो करें ही, साथ में देश की प्रगति में, देश की अर्थव्यवस्था में भी अपनी भूमिका निभाएं।

पिछले ही वर्ष हमारे देश को आज़ाद हुए 75 वर्ष हुए हैं। इन 75 वर्षों में भारत ने बहुत प्रगति की है। देश की ये प्रगति सभी देशवासियों के सामूहिक संकल्प, सभी की सोच और सभी की मेहनत का परिणाम है। देश के सामूहिक संकल्प और परिश्रम में हमारे समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लगभग हर क्षेत्र में समाज ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से राष्ट्र को आगे बढ़ाया है।

चाहे महिला शिक्षा पर, स्वास्थ्य पर, स्वच्छता पर छोटे बच्चों की पढ़ाई पर, बेसहारा लोगों की मदद पर; इन सभी विषयों पर समाज निरंतर समर्पण भावना के साथ काम कर रहा है।

अस्पतालों में तीमारदारों की सेवा हो, बेसहारा लोगों के लिए भोजन-पानी का प्रबंध करना हो, असहायों के लिए दवा की व्यवस्था हो, ब्लड डोनेशन के लिए कैम्प आयोजन करना हो; माहेश्वरी समाज ने सेवा कार्यों में हमेशा रुचि दिखाई है।

समाज के सभी लोगों के बीच प्रेम और आपसी सहयोग निरंतर बढ़ता रहेगा। समाज ऐसे आयोजन करके हमेशा देश और समाज को संगठित करने का काम करता रहेगा। इसी के साथ हमारी संस्कृति, हमारी परंपरा, रीति-रिवाजों को मनाते हुए भारत की समृद्धि में समाज अपना उल्लेखनीय योगदान देगा; मुझे पूरी आशा है। मैं आप सभी को आज गौ सेवा और जनहित के लिए समर्पित सुरभि सदन के लोकार्पण पर एक बार फिर बहुत बहुत बधाई देता हूँ।

धन्यवाद, जय हिंद।